प्रतिदर्श प्रश्नपत्र (2022-23)

हिंदी (ब) कोड संख्या 085

कक्षा - दसवीं

Sample Paper - 4

निर्धारित समय :3 घंटे **पूर्णांक :80**

सामान्य निर्देश :-

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब'।
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
- दोनों खंडों के कुल 18 प्रश्न हैं । दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

कोई कितना भी बड़ा अधिकारी, साहूकार या धनवान क्यों न हो, उसे स्वावलंबी बनना चाहिए। आप डॉक्टर या इंजीनियर बनना चाहते हैं, वकील या प्राध्यापक बनना चाहते हैं, व्यापारी या नेता बनना चाहते हैं-स्वावलंबन सबके लिए अनिवार्य है।
बड़ा बनने के मार्ग में अनेक बाधाएँ आती हैं। यदि उनके कारण हम निराश हो जाएँ, संघर्ष से जी चुराएँ या मेहनत से दूर रहें, तो भला हमें बड़प्पन कहाँ से मिलेगा? भारत के स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री का नाम आपने सुना होगा जिन्होंने सन् 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध में देश का नेतृत्व किया था। देश को विजयी बनाया था और जनता को 'जय जवान, जय किसान' के प्रेरणावर्धक शब्द दिए थे। वे बड़े निर्धन परिवार से संबंधित थे। नदी पार स्कूल में जाने के लिए नौका वाले को पैसे भी नहीं दे सकते थे, किंतु उनमें आलस्य नहीं था। अतः प्रतिदिन तैरकर नदी पार करते थे। उन्होंने निराशा को कभी मन में नहीं आने दिया था। इसी मेहनत और स्वावलंबन का परिणाम था कि वे प्रधानमंत्री बने। जब वे प्रधानमंत्री थे, तब भी वे चपरासियों और अहलकारों पर आश्रित नहीं रहते थे। अपने यहाँ का कोई भी काम उन्हें छोटा नहीं लगता था। डॉक्टर बनकर यदि आप रोगी को आंशिक देखभाल करें, इंजीनियर बनकर दूसरों पर हुक्म चलाएँ, अथवा व्यापारी बनकर अपना हिसाब-किताब स्वयं न देखें, तो व्यवसाय तो डूबेगा ही, आपको भी डूबना होगा। दूसरों से कार्य लेते समय भी स्वयं सक्रिय रहना सफलता की प्रथम सीढ़ी है।

(i) उच्च पद या सफलता पाने के लिए व्यक्ति को क्या करना चाहिए?

क) स्वावलंबी बन परिश्रम करना चाहिए

ख) अपने साथ-साथ दूसरों का अवलंब मिलने की प्रतीक्षा करनी चाहिए

ग) अपने अवलंब पर भरोसा नहीं करना चाहिए

घ) दूसरों का अवलंब लेना चाहिए

(ii) स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री का उल्लेख गद्यांश में क्यों किया गया है?

क) निर्धन परिवार से संबंध रखने के कारण

ख) 'जय जवान जय किसान' का नारा देने के कारण

ग) नदी पार करने के कारण

घ) स्वावलंबी बनकर परिश्रम करते रहने के कारण

(iii) लाल बहादुर शास्त्री अपना काम स्वयं करते थे यह किस कथन से सिद्ध होता है?

क) उनके पास नौकावाले को देने के लिए पैसे नहीं होते थे

ख) उन्होंने प्रेरणावर्धक नारा दिया

ग) उन्होंने 1965 के भारत-पाक युद्ध में देश का नेतृत्व किया

घ) वे चपरासियों तथा अहलकारों पर निर्भर नहीं रहते थे

(iv) सफलता की प्रथम सीढ़ी निम्नलिखित में से क्या है?

क) दूसरों को काम बताते जाना तथा उनका निरीक्षण करना

ख) दूसरों से कार्य कराते हुए स्वयं भी सक्रिय रहना

ग) दूसरे व्यक्तियों को कार्य के लिए प्रेरित करना

घ) दूसरे व्यक्तियों के प्रति सजग रहना

(v) **कथन (A):** स्वावलंबी व्यक्ति ही बड़प्पन दिखा सकता है।
कारण (R): स्वयं सक्रिय होते हुए ही हम दूसरों से कार्य करवाने में सफल हो सकते हैं।

क) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ख) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

ग) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही असत्य हैं।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

ताजमहल, महात्मा गांधी और दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र-इन तीन बातों से दुनिया में हमारे देश की ऊँची पहचान है। ताजमहल भारत की अंतरात्मा की, उसकी बहुलता की एक धवल धरोहर है। यह सांकेतिक ताज आज खतरे में है। उसको बचाए रखना बहुत ज़रूरी है।
मजहबी दर्द को गांधी दूर करता गया। दुनिया जानती है, गांधीवादी नहीं जानते हैं। गांधीवादी उस गांधी को चाहते हैं जो कि सुविधाजनक है। राजनीतिज्ञ उस गांधी को चाहते हैं जो कि और भी अधिक सुविधाजनक है। आज इस असुविधाजनक गांधी का पुनः आविष्कार करना चाहिए, जो कि कड़वे सच बताए, खुद को भी औरों को भी।
अंत में तीसरी बात लोकतंत्र की। हमारी जो पीड़ा है, वह शोषण से पैदा हुई है, लेकिन आज विडंबना यह है कि उस शोषण से उत्पन्न पीड़ा का भी शोषण हो रहा है। यह है हमारा ज़माना, लेकिन अगर हम अपने पर विश्वास रखें और अपने पर स्वराज लाएँ तो

हमारा ज़माना बदलेगा। खुद पर स्वराज तो हम अपने अनेक प्रयोगों से पा भी सकते हैं, लेकिन उसके लिए अपनी भूलें स्वीकार करना, खुद को सुधारना बहुत आवश्यक होगा।

(i) ताजमहल को किसकी धरोहर बताया गया है?

क) भारत के नेताओं की
ख) भारत की अंतरात्मा की
ग) भारत के नागरिकों की
घ) भारत के युवाओं की

(ii) गांधीवादी आज किस तरह के गांधी को चाहते हैं?

क) जो सुविधाजनक नहीं है
ख) इनमें से कोई नहीं
ग) जो सुविधाजनक है
घ) जो असुविधाजनक हैं

(iii) गद्यांश के अनुसार आज विडंबना क्या है?

क) हमारी पीड़ा का उत्पन्न होना
ख) हमारी पीड़ा का शोषण से उत्पन्न होना
ग) स्वयं पर विश्वास न रखना
घ) शोषण से उत्पन्न पीड़ा का शोषण होना

(iv) राजनीतिज्ञ किस गांधी की आकांक्षा रखते हैं?

क) जो सुविधाजनक नहीं है
ख) जो असुविधाजनक है
ग) जो सुविधाजनक है
घ) जो और भी अधिक सुविधाजनक है

(v) हमारा ज़माना किस प्रकार बदल सकता है?

i. अपनी भूलों को स्वीकार करके
ii. स्वयं पर विश्वास कर
iii. अपना स्वराज लाना
iv. स्वयं को सुधार कर

क) कथन i, ii व iv सही हैं
ख) कथन i, iii व iv सही हैं
ग) कथन ii सही है
घ) कथन i, ii व iii सही हैं

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **यह एक सभा थी और इसे ओपन चैलेंज कहा जाना चाहिए था।** वाक्य की दृष्टि से है-

क) सामान्य वाक्य
ख) संयुक्त वाक्य
ग) मिश्र वाक्य
घ) सरल वाक्य

(ii) इन वाक्यों में से मिश्रित या मिश्र वाक्य की पहचान कीजिए-

क) परिश्रम करो, सफल हो जाओगे।
ख) परिश्रम करने वाले अवश्य सफल होते हैं।
ग) सफलता के लिए परिश्रम आवश्यक है।
घ) जो परिश्रम करते हैं, वे अवश्य सफल होते हैं।

(iii) **जब सात बजे तब लौट आना।** सरल वाक्य में बदलिए।

क) जैसे ही सात बजे वैसे ही लौट आना
ख) सात बजते ही घर आ जाना
ग) सात बजे लौट आना
घ) सात बजे और लौट आना

(iv) जैसे ही शेर दिखाई दिया वैसे ही लोग डर गए। (संयुक्त वाक्य)

क) लोग डर गए क्योंकि उन्होंने शेर को देखा था।
ख) शेर दिखाई दिया और लोग डर गए।
ग) क्योंकि शेर दिखाई दिया था इसलिए लोग डर गए थे।
घ) जैसे ही शेर को लोगों ने देखा वैसे ही लोग डर गए।

(v) **मैं चाहता हूँ कि तुम्हारे साथ खेलूं।** रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए।

क) संयुक्त वाक्य
ख) मिश्र वाक्य
ग) समूह वाक्य
घ) सरल वाक्य

4. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) <u>**वामीरो की माँ**</u> क्रोध में उफन उठी। रेखांकित में कौन-सा पदबंध है?

क) विशेषण पदबंध
ख) संज्ञा पदबंध
ग) क्रिया पदबंध
घ) सर्वनाम पदबंध

(ii) <u>**आसमान में उड़ते पंछी**</u> सभी को अच्छे लगते हैं। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है?

क) सर्वनाम पदबंध
ख) संज्ञा पदबंध
ग) क्रिया पदबंध
घ) विशेषण पदबंध

(iii) <u>**साधुओं**</u> की संगति से बुद्धि सुधरती है वाक्य में रेखांकित पदबंध है-

क) विशेषण पदबंध
ख) क्रिया विशेषण पदबंध
ग) संज्ञा पदबंध
घ) सर्वनाम पदबंध

(iv) <u>**रावण ने विभीषण**</u> का कहना माना होता तो भगवान राम के हाथों न मरता। - रेखांकित

पद में कैसा पदबंध है?

क) क्रियाविशेषण पदबंध   ख) सर्वनाम पदबंध

ग) संज्ञा पदबंध   घ) विशेषण पदबंध

(v) <u>**जो मेहनत करता है,**</u> उसे सफलता अवश्य मिलती है। वाक्य में रेखांकित पदबंध है-

क) सर्वनाम पदबंध   ख) संज्ञा पदबंध

ग) विशेषण पदबंध   घ) क्रिया विशेषण पदबंध

5. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **गाँव-गाँव** समस्त पद में समास है-

क) कर्मधारय   ख) तत्पुरुष

ग) अव्ययीभाव   घ) बहुव्रीहि

(ii) <u>**चरण कमल**</u> बंदी हरिराई। रेखांकित शब्द का समास का भेद बताइए-

क) कर्मधारय   ख) तत्पुरुष

ग) द्वंद्व   घ) बहुव्रीहि

(iii) **तुलसीकृत** में कौन-सा समास है?

क) द्वन्द्व समास   ख) अव्ययीभाव समास

ग) तत्पुरुष समास   घ) कर्मधारय समास

(iv) **गजानन** में कौन-सा समास है?

क) तत्पुरुष समास   ख) अव्ययीभाव समास

ग) द्विगु समास   घ) बहुव्रीहि समास

(v) **निशाचर** में कौन-सा समास है?

क) अव्ययीभाव   ख) बहुव्रीहि

ग) कर्मधारय   घ) नञ्

6. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) चिकना घड़ा होना मुहावरे का क्या तात्पर्य है-

क) चिकना होना   ख) भयभीत होना

ग) समृद्ध होना　　　　घ) निर्लज्ज होना

(ii) विभीषण ने राम को रावण के सभी रहस्य बताकर __________ कार्य किया। रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे से कीजिए।

क) विष घोलने का　　　　ख) सिर खपाने का

ग) हाथ पीले करने का　　　　घ) मक्खी मारने का

(iii) __________वालों को एक दिन पछताना पड़ता है।

क) बिना सोच-समझे जाने　　　　ख) बेराह चलने

ग) बेकार काम करने　　　　घ) राह पर चलने वालों

(iv) विद्यार्थी को केवल __________ नहीं होना चाहिए, बल्कि स्वस्थ शरीर और उन्नत मस्तिष्क वाला होनहार युवक होना है। मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

क) पुस्तक का कीड़ा होना　　　　ख) पैरों पर खड़ा होना

ग) किताबी कीड़ा होना　　　　घ) किताब में मग्न होना

(v) व्यापारी एवं बनिये __________ के लिए कार्य करते हैं। मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

क) पौ बारह होने　　　　ख) उड़न छू होने

ग) काफूर होने　　　　घ) उन्नीस बीस होने

(vi) सैनिकों ने दुश्मन को __________। रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त मुहावरे का चयन कीजिए-

क) नाकों चने चबाना　　　　ख) नीचा दिखाना

ग) राह दिखाना　　　　घ) आड़े हाथों लेना

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। **[2]**

(i) **कर चले हम फ़िदा** कविता अनुसार कौन-सी जवानी सार्थक होती है?

क) जो देश के काम आए　　　　ख) जो धन कमाने में साथ दे

ग) जो कुछ करने का साहस रखती हो　　　　घ) जो विचारों को बदल दे

(ii) दूसरे पद में, मीरा अपने आराध्य श्रीकृष्ण के समक्ष अपनी क्या इच्छा प्रकट करती है?

क) वधु　　　　ख) प्रियसी

ग) भक्तिन　　　　घ) चाकर

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

हम घर जाल्या आपणाँ, लिया मुराड़ा हाथि।
अब घर जालौं तास का, जे चलै हमारे साथि।।

(i) कबीर जी का अपना घर जलाने से क्या तात्पर्य है?

क) उन्होंने अपना घर जला दिया है, जो कि लकड़ी का बना था

ख) उन्होंने अपनी सांसारिक विषय-वासनाओं को नष्ट कर दिया है

ग) इनमें से कोई नहीं

घ) उन्होंने अपने ज्ञान को जलाकर नष्ट कर दिया है

(ii) **मुराड़ा** से यहाँ क्या तात्पर्य है?

क) पगड़ी बाँधने से

ख) घर जलाने से

ग) लकड़ी उठाने से

घ) जलती हुई लकड़ी से

(iii) कबीर जी अब किसका घर जलाने की बात कर रहे हैं?

क) जो उनकी बात नहीं मानेगा

ख) जो उनके साथ भक्ति मार्ग पर चलेगा

ग) अपने पड़ोसियों का

घ) अपने गुरु का

(iv) प्रस्तुत साखी की शैली कौन-सी है?

क) अन्वेषणात्मक

ख) उपदेशात्मक

ग) प्रतीकात्मक

घ) गवेषणात्मक

(v) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

i. स्वभाव को निर्मल करने के लिए निंदक को पास रखना चाहिए।
ii. पीव का अर्थ प्रिय है।
iii. प्रेम ही मनुष्य को ज्ञानी बनाता है।
iv. मुराड़ा का अर्थ जलती हुई लकड़ी है।
v. कबीर ने विषय-वासना को समाप्त करने की बात करते हैं।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए-

क) (i), (v)

ख) (i), (iv)

ग) (iv), (v)

घ) (iii), (ii)

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

उसे ज्ञात ही न हो सका कि कोई अजनबी युवक उसे नि:शब्द ताके जा रहा है। एकाएक एक ऊँची लहर उठी और उसे भिगो गई। वह हड़बड़ाहट में गाना भूल गई।

इसके पहले कि वह सामान्य हो पाती, उसने अपने कानों में गूंजती गंभीर आकर्षक आवाज़ सुनी। "तुमने एकाएक इतना मधुर गाना अधूरा क्यों छोड़ दिया?" तताँरा ने विनम्रतापूर्वक कहा। अपने सामने एक सुंदर युवक को देखकर वह विस्मित हुई। उसके भीतर किसी कोमल भावना का संचार हुआ। किंतु अपने को संयतकर उसने बेरुखी के साथ जवाब दिया। "पहले बताओ! तुम कौन हो, इस तरह मुझे घूरने और इस असंगत प्रश्न का कारण? अपने गाँव के अलावा किसी और गाँव के युवक के प्रश्नों का उत्तर देने को मैं बाध्य नहीं। यह तुम भी जानते हो।" तताँरा मानो सुध-बुध खोए हुए था। जवाब देने के स्थान पर उसने पुनः अपना प्रश्न दोहराया। "तुमने गाना क्यों रोक दिया? गाओ, गीत पूरा करो। सचमुच तुमने बहुत सुरीला कंठ पाया है।" "यह तो मेरे प्रश्न का उत्तर न हुआ?" युवती ने कहा। "सच बताओ तुम कौन हो? लपाती गाँव में तुम्हें कभी देखा नहीं।"

(i) वामीरो किस गाँव की थी?

क) निकोबार द्वीप ख) पासा

ग) लिटिल अंदमान घ) लपाती

(ii) तताँरा को देखकर वामीरो को कैसा महसूस हुआ?

क) आकर्षण ख) विस्मय

ग) गलती घ) मन में मधुर और कोमल भाव

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A): वामीरो हड़बड़ाहट में अपना गाना भूल गई।
कारण (R): समुद्र की एक ऊँची लहर ने उसे पूरी तरह से भिगो दिया था।

क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ग) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(iv) वामीरो का गाना क्यों रुक गया?

क) समुद्र की लहर के कारण ख) आकर्षित होकर

ग) लय बिगड़ने से घ) तताँरा को देखकर

(v) वामीरो ने तताँरा को बेरुखी से क्यों जवाब दिया?

क) आकर्षण होने के कारण ख) घूरने के कारण

ग) दूसरे गाँव का होने के कारण　　घ) प्रश्न पूछने के कारण

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। **[2]**

(i) **तीसरी कसम** फिल्म की तारीफ़ क्यों हुई?

क) इनमें से कोई नहीं　　ख) विद्यालय में

ग) कारखाना में　　घ) नौटंकी में

(ii) **अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले** पाठानुसार लेखक के अनुसार संसार में सब कुछ कैसा है?

क) सामान्य　　ख) सुंदर

ग) नश्वर　　घ) बहुत खराब

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) कंपनी बाग़ में रखी तोप के विषय में विस्तार से बताइए।

(ii) **आत्मत्राण** कविता के अनुसार सामान्यतः मनुष्य कैसे दिनों में ईश्वर को भूल जाता है और क्यों? वर्णन कीजिए।

(iii) **पर्वत प्रदेश में पावस** कविता में मानवीकरण अलंकार का प्रयोग किस प्रकार किया गया है? स्पष्ट कीजिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) बड़े भाई साहब ने लेखक को पूरी उम्र एक ही कक्षा में पड़े रहने का भय क्यों दिखाया? 'बड़े भाई साहब' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ii) वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल क्यों किया? कारतूस पाठ के आधार पर बताइए।

(iii) चाय पीते-पीते उस दिन मेरे दिमाग से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था और वह अनंतकाल जितना विस्तृत था। उपरोक्त गद्यांश के आधार पर बताइए कि जब आप मानसिक तनाव में होते हैं तो चाय पीकर आप कैसा अनुभव करते हैं?

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) राधिका के पड़ोस में रहने वाली साधिका चाचीजी के घर परिवार में सब थे। पति, दो कमाऊ लड़के और उनकी बहुएँ। घर में साधिका चाचीजी को बहुत मान-सम्मान मिलता था। पर अचानक दिल का दौरा पड़ने से उनके पति की मृत्यु हो जाती है। इसके बाद से अचानक घर के लोग उनसे नज़रें फेर लेते हैं और उन्हें घर के एक कोने में रहने को मजबूर होना पड़ता है।
'हरिहर काका' पाठ को इस संदर्भ में रखकर बताइए कि हमारे देश के सच्चे बंधु प्रेम

जैसे आदर्श को किस कारण क्षति पहुँच रही है। आप इसे समाज के लिए कहाँ तक अहितकर मानते हैं? लिखिए।

(ii) पीटी साहब की **शाबाश** फौज़ के तमगों-सी क्यों लगती थी? सपनों के-से दिन पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(iii) अम्मी! मेज़ पर जितने हाथ थे रुक गए। जितनी आँखें थीं वो टोपी के चेहरे पर जम गईं। अम्मी! यह शब्द इस घर में कैसे आया। अम्मी! परम्पराओं की दीवार डोलने लगी। कैसे कहा जा सकता है कि टोपी शुक्ला जैसा कोमल मन का बालक सामाजिक सद्भाव को बनाने में बड़ों की अपेक्षा अधिक सफल हो सकता है? 'अम्मी' शब्द के प्रयोग की घटना के आधार पर प्रस्तुत कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. आपके क्षेत्र का डाकिया पत्रों का वितरण बड़ी लापरवाही से करता है। इधर-उधर फेंककर चला जाता है। एक शिकायती पत्र मुख्य डाकपाल को लिखिए। **[5]**

अथवा

अपने जन्मदिन पर मित्र को आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए।

15. **गया समय फिर हाथ नहीं आता** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- समय ही जीवन है
- समय का सदुपयोग
- समय के दुरुपयोग से हानि

अथवा

लोकतंत्र और चुनाव विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- लोकतंत्र से तात्पर्य
- चुनाव का महत्त्व
- सही प्रतिनिधि के चुनाव से लोकतंत्र की रक्षा

अथवा

आतंकवाद के दुष्परिणाम विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- आतंक के प्रसार के कारण
- भारत और विश्व में आतंकवाद
- निदान के उपाय

16. विद्यालय की सांस्कृतिक संस्था **रंगमंच** की सचिव लतिका की ओर से **स्वरपरीक्षा** के लिए इच्छुक विद्यार्थियों को यथासमय उपस्थित रहने की सूचना लिखिए। समय और स्थान का उल्लेख भी कीजिए। **[4]**

अथवा

आप सोसाइटी के अध्यक्ष हैं। सोसाइटी को स्वस्छ रखने हेतु सूचनापट्ट पर 25-30 शब्दों में

सूचना लिखिए।

17. **जहाँ चाह वहाँ राह** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। **[5]**

अथवा

किसी कॉलेज में हिन्दी विषय में सहायक अध्यापक के रिक्त पद की जानकारी के लिए ईमेल लिखिए।

18. सैल फ़ोन विक्रेता हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए। **[3]**

अथवा

आपके पिता अपना पुराना मकान बेचना चाहते हैं। मकान का विवरण देते हुए एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

Solution

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

कोई कितना भी बड़ा अधिकारी, साहूकार या धनवान क्यों न हो, उसे स्वावलंबी बनना चाहिए। आप डॉक्टर या इंजीनियर बनना चाहते हैं, वकील या प्राध्यापक बनना चाहते हैं, व्यापारी या नेता बनना चाहते हैं-स्वावलंबन सबके लिए अनिवार्य है।

बड़ा बनने के मार्ग में अनेक बाधाएँ आती हैं। यदि उनके कारण हम निराश हो जाएँ, संघर्ष से जी चुराएँ या मेहनत से दूर रहें, तो भला हमें बड़प्पन कहाँ से मिलेगा? भारत के स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री का नाम आपने सुना होगा जिन्होंने सन् 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध में देश का नेतृत्व किया था। देश को विजयी बनाया था और जनता को 'जय जवान, जय किसान' के प्रेरणावर्धक शब्द दिए थे। वे बड़े निर्धन परिवार से संबंधित थे। नदी पार स्कूल में जाने के लिए नौका वाले को पैसे भी नहीं दे सकते थे, किंतु उनमें आलस्य नहीं था। अतः प्रतिदिन तैरकर नदी पार करते थे। उन्होंने निराशा को कभी मन में नहीं आने दिया था। इसी मेहनत और स्वावलंबन का परिणाम था कि वे प्रधानमंत्री बने। जब वे प्रधानमंत्री थे, तब भी वे चपरासियों और अहलकारों पर आश्रित नहीं रहते थे। अपने यहाँ का कोई भी काम उन्हें छोटा नहीं लगता था। डॉक्टर बनकर यदि आप रोगी को आंशिक देखभाल करें, इंजीनियर बनकर दूसरों पर हुक्म चलाएँ, अथवा व्यापारी बनकर अपना हिसाब-किताब स्वयं न देखें, तो व्यवसाय तो डूबेगा ही, आपको भी डूबना होगा। दूसरों से कार्य लेते समय भी स्वयं सक्रिय रहना सफलता की प्रथम सीढ़ी है।

(i) **(क)** स्वावलंबी बन परिश्रम करना चाहिए
व्याख्या: स्वावलंबी बन परिश्रम करना चाहिए

(ii)**(घ)** स्वावलंबी बनकर परिश्रम करते रहने के कारण
व्याख्या: स्वावलंबी बनकर परिश्रम करते रहने के कारण

(iii)**(घ)** वे चपरासियों तथा अहलकारों पर निर्भर नहीं रहते थे
व्याख्या: वे चपरासियों तथा अहलकारों पर निर्भर नहीं रहते थे

(iv)**(ख)** दूसरों से कार्य कराते हुए स्वयं भी सक्रिय रहना
व्याख्या: दूसरों से कार्य कराते हुए स्वयं भी सक्रिय रहना

(v)**(क)** (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

ताजमहल, महात्मा गांधी और दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र-इन तीन बातों से दुनिया में हमारे देश की ऊँची पहचान है। ताजमहल भारत की अंतरात्मा की, उसकी बहुलता की एक धवल धरोहर है। यह सांकेतिक ताज आज खतरे में है। उसको बचाए रखना बहुत ज़रूरी है।

मजहबी दर्द को गांधी दूर करता गया। दुनिया जानती है, गांधीवादी नहीं जानते हैं। गांधीवादी उस गांधी को चाहते हैं जो कि सुविधाजनक है। राजनीतिज्ञ उस गांधी को चाहते हैं जो कि और भी अधिक सुविधाजनक है। आज इस असुविधाजनक गांधी का पुनः आविष्कार करना चाहिए, जो कि कड़वे सच बताए, खुद को भी औरों को भी।

अंत में तीसरी बात लोकतंत्र की। हमारी जो पीड़ा है, वह शोषण से पैदा हुई है, लेकिन आज विडंबना यह है कि उस शोषण से उत्पन्न पीड़ा का भी शोषण हो रहा है। यह है हमारा ज़माना, लेकिन अगर हम अपने पर विश्वास रखें और अपने पर स्वराज लाएँ तो हमारा ज़माना बदलेगा।

खुद पर स्वराज तो हम अपने अनेक प्रयोगों से पा भी सकते हैं, लेकिन उसके लिए अपनी भूलें स्वीकार करना, खुद को सुधारना बहुत आवश्यक होगा।

(i) **(ख)** भारत की अंतरात्मा की
व्याख्या: भारत की अंतरात्मा की
(ii)**(ग)** जो सुविधाजनक है
व्याख्या: जो सुविधाजनक है
(iii)**(घ)** शोषण से उत्पन्न पीड़ा का शोषण होना
व्याख्या: शोषण से उत्पन्न पीड़ा का शोषण होना
(iv)**(घ)** जो और भी अधिक सुविधाजनक है
व्याख्या: जो और भी अधिक सुविधाजनक है
(v)**(ख)** कथन i, iii व iv सही हैं
व्याख्या: कथन i, iii व iv सही हैं

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** संयुक्त वाक्य
व्याख्या: संयुक्त वाक्य
(ii)**(घ)** जो परिश्रम करते हैं, वे अवश्य सफल होते हैं।
व्याख्या: यह विकल्प सही है क्योंकि इस वाक्य में 'जो-वे' व्यधिकरण योजक प्रयोग किया गया है। विशेषण आश्रित उपवाक्य
(iii)**(ग)** सात बजे लौट आना
व्याख्या: सात बजे लौट आना
(iv)**(ख)** शेर दिखाई दिया और लोग डर गए।
व्याख्या: शेर दिखाई दिया और लोग डर गए।
(v)**(ख)** मिश्र वाक्य
व्याख्या: मिश्र वाक्य

4. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** संज्ञा पदबंध
व्याख्या: संज्ञा पदबंध
(ii)**(ख)** संज्ञा पदबंध
व्याख्या: संज्ञा पदबंध
(iii)**(ग)** संज्ञा पदबंध
व्याख्या: संज्ञा पदबंध
(iv)**(ग)** संज्ञा पदबंध
व्याख्या: संज्ञा पदबंध
(v)**(ग)** विशेषण पदबंध
व्याख्या: विशेषण पदबंध

5. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** अव्ययीभाव
व्याख्या: अव्ययीभाव
(ii)**(क)** कर्मधारय
व्याख्या: कर्मधारय
(iii)**(ग)** तत्पुरुष समास
व्याख्या: तत्पुरुष समास
(iv)**(घ)** बहुव्रीहि समास
व्याख्या: गजानन का समास-विग्रह हाथी के सामान मुख वाले अर्थात गणेश।
(v)**(ख)** बहुव्रीहि
व्याख्या: बहुव्रीहि

6. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** निर्लज्ज होना
व्याख्या: निर्लज्ज होना
(ii)**(क)** विष घोलने का
व्याख्या: विष घोलने का
(iii)**(ख)** बेराह चलने
व्याख्या: बेराह चलने - नियमों को न मानने वाले/अपने हिसाब से चलने वाले
(iv)**(ग)** किताबी कीड़ा होना
व्याख्या: किताबी कीड़ा होना
(v)**(क)** पौ बारह होने
व्याख्या: पौ बारह होने
(vi)**(क)** नाकों चने चबाना
व्याख्या: नाकों चने चबाना

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(क)** जो देश के काम आए
व्याख्या: कविता के अनुसार जो जवानी देश के काम आए वही सार्थक है I
(ii)**(घ)** चाकर
व्याख्या: मीरा कृष्ण से प्रार्थना करती है - हे कृष्ण, मुझे आप अपना चाकर अर्थात सेवक बनाकर रख लीजिए।

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
हम घर जाल्या आपणाँ, लिया मुराड़ा हाथि।
अब घर जालौं तास का, जे चलै हमारे साथि।।

(i) **(ख)** उन्होंने अपनी सांसारिक विषय-वासनाओं को नष्ट कर दिया है
व्याख्या: उन्होंने अपनी सांसारिक विषय-वासनाओं को नष्ट कर दिया है

(ii)**(घ)** जलती हुई लकड़ी से

व्याख्या: जलती हुई लकड़ी से

(iii)**(ख)** जो उनके साथ भक्ति मार्ग पर चलेगा

व्याख्या: जो उनके साथ भक्ति मार्ग पर चलेगा

(iv)**(ग)** प्रतीकात्मक

व्याख्या: प्रतीकात्मक

(v)**(ग)** (iv), (v)

व्याख्या: मुराड़ा का अर्थ जलती हुई लकड़ी है। कबीर ने विषय-वासना को समाप्त करने की बात करते हैं।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

उसे ज्ञात ही न हो सका कि कोई अजनबी युवक उसे नि:शब्द ताके जा रहा है। एकाएक एक ऊँची लहर उठी और उसे भिगो गई। वह हड़बड़ाहट में गाना भूल गई। इसके पहले कि वह सामान्य हो पाती, उसने अपने कानों में गूंजती गंभीर आकर्षक आवाज़ सुनी। "तुमने एकाएक इतना मधुर गाना अधूरा क्यों छोड़ दिया?" तताँरा ने विनम्रतापूर्वक कहा। अपने सामने एक सुंदर युवक को देखकर वह विस्मित हुई। उसके भीतर किसी कोमल भावना का संचार हुआ। किंतु अपने को संयतकर उसने बेरुखी के साथ जवाब दिया। "पहले बताओ! तुम कौन हो, इस तरह मुझे घूरने और इस असंगत प्रश्न का कारण? अपने गाँव के अलावा किसी और गाँव के युवक के प्रश्नों का उत्तर देने को मैं बाध्य नहीं। यह तुम भी जानते हो।" तताँरा मानो सुध-बुध खोए हुए था। जवाब देने के स्थान पर उसने पुनः अपना प्रश्न दोहराया। "तुमने गाना क्यों रोक दिया? गाओ, गीत पूरा करो। सचमुच तुमने बहुत सुरीला कंठ पाया है।" "यह तो मेरे प्रश्न का उत्तर न हुआ?" युवती ने कहा। "सच बताओ तुम कौन हो? लपाती गाँव में तुम्हें कभी देखा नहीं।"

(i) **(घ)** लपाती

व्याख्या: लपाती

(ii)**(घ)** मन में मधुर और कोमल भाव

व्याख्या: मन में मधुर और कोमल भाव

(iii)**(ख)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

व्याख्या: कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iv)**(क)** समुद्र की लहर के कारण

व्याख्या: समुद्र की लहर के कारण

(v)**(ग)** दूसरे गाँव का होने के कारण

व्याख्या: दूसरे गाँव का होने के कारण

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(घ)** नौटंकी में

व्याख्या: नौटंकी में

(ii)**(ग)** नश्वर

व्याख्या: प्रस्तुत पाठ के अनुसार संसार में सब कुछ नश्वर है।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) यह कविता हमें यह बताती है कि कभी ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में व्यापार करने के इरादे से आई थी और फिर धीरे-धीरे भारत में अपने पैर जमा लिए। आगे चल कर वे शासक के रुप में आए। कंपनी बाग़ में रखी तोप की यह विशेषता है कि कभी अंग्रेजों ने इसका प्रयोग हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को दबाने के लिए किया था। कुछ समय पश्चात एक दिन ऐसा भी आया कि इसी तोप को अपना मुँह बंद करना पड़ा और अब वह केवल पर्यटकों का मनोरंजन मात्र रह गयी। आज यह तोप हमारी धरोहर है, जिसे ख़ूब सँभालकर रखा जाता है तथा साल में दो बार इसे चमकाया जाता है- 26 जनवरी और 15 अगस्त को। यह सदा हमारे वीरों और बलिदानियों की याद दिलाती रहती है।

(ii)सामान्यतः मनुष्य सुख के दिनों में ईश्वर को भूल जाता है, क्योंकि वह स्वार्थी प्राणी है। जब-जब उसे किसी चीज की आवश्यकता होती है, तब-तब वह उसे पाने के लिए प्रयत्नशील होता है और ईश्वर से इच्छा-पूर्ति की कामना करता है और इच्छा-पूर्ति हो जाने पर ईश्वर को पूरी तरह भूल जाता है। फिर दुख के समय आपत्तियों से छुटकारा पाने के लिए पुनः ईश्वर का स्मरण करता है।

(iii)इस कविता में कवि ने प्रकृति के सब अंगों जैसे-झरनों, पहाड़ों, बादलों, पेड़ों, तालाबों आदि को मानवीय चेतना से परिपूर्ण माना तथा उनकी तुलना मानव के विभिन्न गुणों से की है। कवि को झरने यशोगान गाने वाले गायक प्रतीत होते हैं। पहाड़ ऐसे प्रतीत हो रहे हैं, जैसे वे अपने हज़ारों पुष्प रूपी नेत्रों से अपना प्रतिबिंब नीचे स्थित तालाब के स्वच्छ जल में देख रहे हों | पर्वत के नीचे बहता हुआ तालाब ऐसे प्रतीत होता है कि जैसे कोई बहुत बाद आईना हो | पर्वतों से जो झरने गिरते है वे उनके गौरव गाकर मस्ती में अपने मोती के समान फेन जैसे पानी गिर रहे हैं | पर्वतों पर लगे हुए पेड़ मनुष्य को ऊँचा उठने की कामना की प्रेरणा देते हुए प्रतीत होते हैं | पर्वतों पर अचानक तेज़ बारिश के आने से कवि को ऐसा प्रतीत होता है जैसे आकाश ने धरती पर आक्रमण कर दिया हो। और शाल के पेड़ जैसे भय के कारण धरती में धँसे हुए प्रतीत होते हैं | कवि को प्रकृति के क्रिया-कलाप देवराज इंद्र द्वारा रचे गए इंद्रजाल (जादू) जैसे प्रतीत होते हैं।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) पाठ के अनुसार बड़े भाई साहब ने लेखक को पूरी उम्र एक ही कक्षा में पड़े रहने का भय इसलिए दिखाया, क्योंकि वे अज्ञान और अयोग्यता के कारण स्वयं पढ़ाई से डरे हुए थे।चूँकि बड़े भाई अधिक पढ़ने के बावजूद फेल हो जाते थे ,और छोटा भाई का पढ़ने में मन ही नहीं लगता था। इसी कारण वह लेखक को चेतावनी देते हैं कि यदि सही तरीके से पढ़ाई नहीं की तो पूरी उम्र एक ही कक्षा में पड़े रहोगे।

(ii)वजी़र अली को उसके पद से हटाकर बनारस भेज दिया था। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने उसे कलकत्ता बुलाया। इस पर क्रोधित होकर वजी़र अली कंपनी के वकील के पास गया, जो बनारस में रहता था। उसने वकील से शिकायत की कि गवर्नर-जनरल उसे बार-बार कलकत्ता में क्यों तलब करता है? वकील ने वज़ीर अली की शिकायत पर गौर नहीं किया, बल्कि उसे ही भला-बुरा सुना दिया। इससे वज़ीर अली के स्वाभिमान को आघात पहुँचा। साथ ही, वज़ीर अली के मन में अंग्रेज़ों के खिलाफ़ नफ़रत कूट-कूटकर भरी थी। वकील के प्रति गुस्से की भावना और अंग्रेजों के प्रति अपनी मानसिकता की वजह से उसने वकील का कत्ल कर दिया।

(iii)जब हम मानसिक तनाव में होते हैं तो हमें कुछ भी अच्छा नहीं लगता। ऐसा लगता है कि जीवन में कुछ भी अच्छा नहीं होगा और यही सोच कर हमारा मन तनावग्रस्त हो जाता है। ऐसे में यदि गर्मागर्म चाय पीने को मिल जाए तो सारा तनाव कहीं रफूचक्कर हो जाता है। जैसा लेखक ने अनुभव किया कि उसके दिमाग की रफ़्तार धीमी पड़ गई और थोड़ी देर में बिलकुल बंद हो गई, वैसा ही हम अनुभव करते हैं। चाय पीने के बाद हमें लगता है कि भूत और भविष्य कुछ भी नहीं है। जो शाश्वत है वह केवल वर्तमान है। हमें यह समझ आने लगता है कि वर्तमान का सदुपयोग कर हम अपने भावी जीवन की समस्त गुत्थियाँ सुलझा सकते हैं।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) हरिहर काका के घर में चार भाई हैं। उन चारों में आपस में बहुत ही प्यार है परन्तु घर की नारियों पर बहुत ही नियंत्रण तथा देख-रेख है, घर में दूरदर्शिता का अभाव है जिसकी वजह से घर में विग्रह की स्थिति आ गई है। धन के लालच में उन्होंने रिश्तों को भी तिलांजलि दे दी है। इस कारण घर की व्यवस्था चौपट हो गई है और परिवारवालों की हर तरफ निंदा हो रही है। धन के लालच के अतिरिक्त किसी को भी कोई काम नहीं है। सब हाथ पर हाथ धर बैठे हैं। मेरी दृष्टि से ऐसा उचित नहीं है क्योंकि इससे घर-बहार लोक व समाज की हानि हो रही है। इस स्थिति में आपसी प्रेम और समझदारी से कार्य करना व निर्णय लेना ही श्रेयस्कर है।

(ii)पाठ के अनुसार स्कूल में स्काउटिंग के अभ्यास के समय सभी बच्चे फौज की तरह वर्दियों में नीली - पीली झंडिया हाथ में लिए हुए पी टी सर के सीटी के आवाज पर दाएँ - बाएँ लहराते हुए चलते थे। अभ्यास के वक्त पी टी सर थोड़ी सी भी गलती करने पर कठोर दण्ड देते थे। अनुशासनबद्ध पंक्ति में पोशाक पहनकर जब बच्चे बिना गलती के अभ्यास करते तो पी टी साहब उन्हें शाबाशी देते थे। अत्यधिक कठोर पी टी साहब का बच्चों को शाबाशी देना उनके लिए फ़ौज के तमगो से तनिक भी कम नहीं थे।
यह प्रसंग दर्शाता है कि बच्चों में शाबाशी पाने की कितनी व्यग्रता होती है और किसी की शाबाशी उनमें एक नई उमंग और ऊर्जा भर देता है।

(iii)अम्मी' शब्द के प्रयोग पर टोपी के घरवालों की बड़ी ही कट्टरवादी प्रतिक्रिया हुई। उसकी परंपरावादी कट्टर दादी ने इसे घर की परंपराओं और संस्कारों का अपमान माना था और वे खाने की मेज़ से उठकर चली गई थीं और जब टोपी की माँ को यह बात पता चली तो उन्होंने उसकी पिटाई कर दी। टोपी का कोमल मन भाषा में भेदभाव नहीं करता। उसके लिए 'माँ' और 'अम्मी' शब्द में कोई अंतर नहीं है। अपनी माँ से पिटने के बाद भी वह यह स्वीकार नहीं करता कि वह इफ्फन के घर नहीं जाएगा। वास्तव में टोपी का सामाजिक सद्भाव बड़ों को आईना दिखाता है। बड़े लोग जिस सद्भाव को स्वीकार नहीं कर पाते उसे टोपी जैसा बालक पारिवारिक उपेक्षा झेलकर भी उसे स्वीकार करता है और उसके समर्थन में अपनी आवाज़ बुलंद करता है।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. प्रति,
मुख्य डाकपाल,
मुख्य डाकघर,
दिल्ली।
विषय- पश्चिम विहार-IV क्षेत्र वितरण में हो रही लापरवाही की शिकायत।
महोदय,
नम्र निवेदन यह है कि पश्चिम विहार क्षेत्र का डाकिया श्रवण कुमार डाक वितरण में बहुत

लापरवाही करता है। वह नाम और पता देखे बिना पत्र दरवाजे पर फेंक कर चला जाता है। परिणामस्वरूप, दूसरों के पत्र हमारे यहाँ आते हैं और हमारे पत्र दूसरे लोग देकर जाते हैं। यह डाकिया डाक देने में देरी भी करता है। मुझे एक नौकरी के साक्षात्कार के लिए जाना था परन्तु सही समय पर पत्र न मिलने के कारण मै वहाँ नहीं जा पाया और मेरे हाथों से मौका चला गया।

यह डाकिया कीमती तोहफों को गायब भी कर देता है। आपसे निवेदन है कि आप इस कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करें।

भवदीय

हस्ताक्षर . . . .

(डॉ. मोहित राजपूत)

206, पश्चिम विहार-V

नई, दिल्ली।

अथवा

मोहित मल्होत्रा,

493 शिव-गणेश अपार्टमेंट

महेश नगर, दिल्ली - 72

दिनांक : ....

प्रिय श्रवण,

स्नेह।

तुम्हें यह जानकर अति प्रसन्नता होगी कि आगामी 15 जनवरी को मैं अपना बारहवाँ जन्मदिन मनाने जा रहा हूँ। इस अवसर पर मेरे घर में एक समारोह का आयोजन किया जाएगा। मैं इस समारोह में भाग लेने के लिए तुम्हें सप्रेम आमंत्रित करता हूँ। समारोह सायं छ: बजे आरंभ होगा। तुम दिन में ही आ जाना । तुम्हारे आगमन से मुझे बहुत प्रसन्नता होगी ।

तुम्हारा अभिन्न मित्र

मोहित

15. महापुरुषों ने कहा है, "समय बहुत मूल्यवान है। एक बार निकल जाने पर यह कभी वापस नहीं आता।" वास्तव में, समय ही जीवन है। इसकी गति को रोकना असंभव है। संसार में अनेक उदाहरण हैं, जो समय की महत्ता को प्रमाणित करते हैं। जिसने समय के मूल्य को नहीं पहचाना, वह हमेशा पछताया है। इसके महत्त्व को पहचानकर इसका सदुपयोग करने वाले व्यक्तियों ने अपने जीवन में लगातार सफलता प्राप्त की। जो व्यक्ति समय मिलने पर भी अपने जीवन में कुछ नहीं कर पाते, वे जीवन में असफल रहते हैं।

जो विद्यार्थी पूरे वर्ष पढ़ाई नहीं करते, वे फेल होने पर पछताते हैं। तब यह उक्ति कि 'अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत' चरितार्थ होती है।समय रहते कार्य न किया गया तो बात नहीं बन सकती है । इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को समय की महत्ता समझते हुए ही कार्य करना चाहिए क्योंकि जो व्यक्ति समय को महत्व नहीं देता है समय (काल) भी उसे महत्वहीन कर देता है। जीवन का यही कटु सत्य है । महान् पुरुषों ने समय का सदुपयोग किया और अपने जीवन में सफल हुए। स्वामी दयानंद, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, मदर टेरेसा आदि इसके ज्वलंत प्रमाण हैं। अतः हमें समय की महत्ता को समझते हुए इसका सदुपयोग करना चाहिए।

अथवा

'लोकतंत्र से तात्पर्य' जनता के तंत्र' यानी जनता के शासन से है। लोकतंत्र एक ऐसी शासन प्रणाली है, जिसमें अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से जनता शासन करती है। जब जनता अप्रत्यक्ष रूप से शासन करती है, तो वह चुनाव के माध्यम से अपना प्रतिनिधि चुनती है, जो जनता के नाम पर जनता के लिए शासन करता है। एक निश्चित अंतराल पर चुनाव का निरंतर संपन्न होना आवश्यक

है ताकि जनता अपने प्रतिनिधि के कार्यों का समय-समय पर मूल्यांकन कर सके। चूंकि जनता के प्रतिनिधि ही सामान्यतया शासन करते हैं। अतः उन्हें निरंकुश बनने से रोकने के लिए समय-समय पर चुनाव होने आवश्यक हैं। जनता सही प्रतिनिधि का चुनाव करके लोकतंत्र का निर्माण एवं रक्षा करती है। लोकतंत्र में वास्तविक संप्रभुता लोगों यानी जनता के पास ही होती है। अतः जनसामान्य के लिए आवश्यक है कि वह निष्पक्ष होकर लोकतंत्र की कसौटी पर खरा उतरने वाले लोगों का ही अपने प्रतिनिधि के रूप में चयन करें, जो न केवल बेहतर शासन-प्रबंध करने में सक्षम हों, बल्कि लोकतंत्र को सुदृढ़ करने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान भी दें, क्योंकि सही प्रतिनिधि के चुनाव से ही लोकतंत्र की रक्षा संभव है।

अथवा

जब कुछ लोग अपनी माँगों को मनवाने के लिए आतंकी गतिविधियों का सहारा लेते हैं तब उसे **आतंकवाद** कहा जाता है। आतंकवाद भय उत्पन्न करने की प्रक्रिया है।

आतंक के प्रसार के कारण- यह एक प्रकार का उन्माद तो है ही साथ ही दूसरों की बर्बादी का प्रयास भी है। पाकिस्तान आतंकवाद का जनक है, पोषक है। वहीं से यह आतंकवाद विकसित होता है। वह लोग हिंसक होते हैं। आजादी के बाद देश में अनेक आतंकवादी संगठनों द्वारा आतंकवादी हिंसा का प्रचार-प्रसार किया गया है।

भारत और विश्व में आतंकवाद- आज हमारा देश ही नहीं वरन् सारा विश्व आतंकवाद की छाया में साँस ले रहा है। असम के बोडो आतंकवादी अनेक बार हिंसक घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। कश्मीर घाटी में आतंकी गतिविधियाँ जोरों पर है। 13 दिसम्बर 2001 में भारत के संसद भवन पर आतंकियों द्वारा हमला किया गया। 11 सितम्बर 2001 में अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर भी हमला हुआ। इस तरह पूरा संसार आतंकवाद की चपेट में आया हुआ है।

निदान के उपाय- इस समस्या का वास्तविक हल ढूँढने के लिए सर्वप्रथम सरकार को अपनी गुप्तचर एजेंसियों को सशक्त और विशेष सक्रिय बनाना चाहिए। सीमा पार से प्रशिक्षित आतंकवादियों व हथियारों के आने पर कड़ी चौकसी रखनी होगी। लोगों को गुमराह होने से रोकना होगा व विश्वास की भावना जगानी होगी। इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी मिलकर प्रयास करने होंगे। संविधान के तहत पारस्परिक विचार-विमर्श से सिक्खों, कश्मीरियों व असमियों की माँगों का न्यायोचित समाधान भी ढूँढना होगा।

केन्द्रीय विद्यातय, रोहिणी दिल्ली
कक्षा VI-XII छात्रों हेतु
सूचना
'स्वरपरीक्षा' समारोह

दिनांक -

कक्षा VI-XII के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि हमारे विद्यातय में संगमंच सांस्कृतिक संस्था की ओर से स्वरपरीक्षा समारोह 19 मार्च 20XX को विद्यातय के प्रांगण में आयोजित किया जा रहा हैं। इच्छुक विद्यार्थी कल सुबह अपनी कक्षा अध्यापिकाओं को अपना नाम दें तथा 19 मार्च को सुबह 8 बजे विद्यातय के प्रांगण में एकत्रित हो। विजेताओं के लिए विशेष पुरस्कार है। अधिक जानकारी के लिए निम्न से संपर्क करें।

भावना

16. सचिव, रंगमंच सांस्कृतिक संस्था

अथवा

इलियट अपार्टमेन्ट, पालम
सूचना

30 मार्च, 2019

सोसाइटी के सभी सदस्आयों को सूचित किया जाता है कि आजकल सोसाइटी में जहाँ - तहां पत्ते, प्लास्टिक, गंदगी नज़र आने लगी है। आपसे निवेदन है कि घर के सभी सदस्यों को जागरूक करें ताकि वे ऐसा न करें।
वातावरण की स्वच्छता बनाए रखने हेतु यह कदम उठाया जा रहा है। यदि कोई गंदगी फैलाते हुए देखा गया तो उसे निर्धारित जुर्माना भरना होगा।
अध्यक्ष
इलियट अपार्टमेंट

17. **जहाँ चाह वहाँ राह**

कुछ दिन पहले की बात है, जब मैं अपने स्कूल पहुँचा तो मुझे ज्ञात हुआ कि हमारे स्कूल में दौड़ की प्रतियोगिता का आयोजन होने वाला है। मुझे बचपन से ही खेलकूद खास तौर पर दौड़ में बहुत दिलचस्पी थी। फिर मैं अपने कुछ दोस्तों के साथ दौड़ के लिए नामांकन कराने गया। नाम दर्ज कराने के बाद पता चला कि दौड़ की प्रतियोगिता 20 दिनों के बाद रखी गई है।
उसके बाद मैंने अपनी तैयारी शुरू कर दी लेकिन एक सप्ताह बाद ही बाजार से आते समय मेरा एक्सीडेंट हो गया और मेरे पाँव में मोच आ गई। मुझे लगा कि मैं अब दौड़ में शामिल नहीं हो पाऊँगा। ऐसे में मेरे माता-पिता ने मेरा हौसला बढ़ाया और कहा कि कोई बात नहीं अभी भी दस दिन बाकी हैं। अगर तुम हिम्मत नहीं हारोगे तो सबकुछ हो सकता है। मैंने मन में ठान लिया कि मुझे अब दौड़ना है और देखते-देखते दौड़ का दिन भी आ गया। अगर हम अपने मन से कोई काम चाहें तो वह जरूर पूरा होता है और ऐसा हुआ भी। मैंने दौड़ में भाग भी लिया और दूसरा स्थान प्राप्त किया।

अथवा

From : hsk@gmail.com
To : kmu@gmail.com
CC ...
BCC ...
विषय - हिन्दी विषय में सहायक अध्यापक के रिक्त पद की जानकारी
कला संकाय प्रमुख
सी.ई.एम, करमपुरा
Delhi -110015

माननीय महोदय,
सादर सूचित करना चाहती हूँ कि में रीना दत्त हिन्दी विभाग की शोध छात्रा हूँ। मेरी पी.एच.डी. समाप्त होने की ओर अग्रसर है। महोदय हिन्दी विभाग में सहायक अध्यापक के कुल कितने पद रिक्त हैं? कृपया जानकारी प्रदान करें।
आपसे सहयोग की अपेक्षा में
धन्यवाद
रीना दत्त

फ़ोन....... फ़ोन....... फ़ोन

ड्यूल सिम फ़ोन सिर्फ़ और सिर्फ़ रू 7,800/-	फ्रंट कैमरा 4 जी बी इंटरनल मेमोरी

18.

जीवो फ़ोन

अथवा

मकान बिकाऊ है

100 गज में दो मंजिला मकान

कीमत 50 लाख रूपए

मेन रोड के पास

विशाल मेट्रो स्टेशन से 2 किमी दूर

दिल्ली

संपर्क करें - 999812XXXX